दैनिक
हिन्द शिला
पंजीकरण संख्या MPBIL/25/A1756
भोपाल
सोमवार
14 सितंबर 2026
BRICS INDIA 2026
खबर वही, जो हो सच

संपादक - संजीत सिंह बघेल | वर्ष : 01 | अंक : 50 | पृष्ठः 04 | मुल्य : 03 रूपये | सह संपादक-प्रांशु बघेल

भारत ने 8वीं बार जीता एशिया कप का खिताब, श्रीलंका को रौंदकर लिया 2024 का बदला

एजेंसी, नईदिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने वर्चस्व को एक बार फिर साबित करते हुए महिला एशिया कप का खिताब रिकॉर्ड 8वीं बार अपने नाम कर लिया. फाइनल मुकाबले में भारत ने डिफेंडिंग चैंपियन श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में 72 रनों से धूल चटाकर साल 2024 की खिताबी हार का हिसाब चुकता कर लिया. भारत ने इस टूर्नामेंट के सभी एडिशन में फाइनल तक का सफर किया है और 10 में से 8 बार ट्रॉफी पर कब्जा भी किया है।

शेफाली वर्मा-स्मृति मंधाना ने जमाया रंग

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने शेफाली वर्मा और उपकप्तान स्मृति मंधाना की विस्फोटक पारियों के दम पर 20 ओवर में 5 विकेट पर 183 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. भारतीय पारी की शुरुआत से ही दोनों सलामी बल्लेबाजों ने श्रीलंकाई गेंदबाजी पर जमकर प्रहार किया. शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 77 गेंदों में 129 रनों की शतकीय साझेदारी कर डाली। इस दौरान शेफाली वर्मा ने 39 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 68 रन बनाए. इस दौरान शेफाली ने 24 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी कर इतिहास रच दिया. ये टी20 एशिया कप के इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है. वहीं, मंधाना ने भी लय पकड़ते हुए 35 गेंदों में अपने टी20ई करियर की 36वीं फिफ्टी पूरी की और कुल 59 रन बनाए. आखिरी ओवरों में जी कमलिनी ने 5 गेंदों में नाबाद 15 रन ठोककर भारत का इस स्कोर तक पहुंचाया।

111 रनों पर ढेर हुई श्रीलंकाई पारी

184 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम कभी भी मुकाबले में नजर नहीं आई. सलामी बल्लेबाज इमेशा दुलानी को क्रांति गौड़ ने जल्द ही बोल्ड कर दिया. वहीं, कप्तान चमारी अटापट्टू ने 32 गेंदों में 36 रन बनाए, लेकिन उन्हें दीप्ति शर्मा ने ऋचा घोष के हाथों स्टंप कराकर श्रीलंका की बची-खुची उम्मीदें भी खत्म कर दीं. उनके अलावा इस पारी में कोई भी श्रीलंकाई बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा नहीं छू सकी।

जिसके चलते पूरी श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में 111 रन ही जोड़ सकी और ऑलआउट हो गई. भारत की ओर से एन श्री चरणी ने सबसे घातक गेंदबाजी करते हुए 4 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई. वहीं, दीप्ति शर्मा ने अटापट्टू समेत 3 बड़े विकेट चटकाए. शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने भी 1-1 विकेट अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

धारा 370, नक्सलवाद और नॉर्थ ईस्ट, शाह बोले- 12 साल में खत्म हुए 3 नासूर

एजेंसी, नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से पूरे देश में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा. उन्होंने यह भी जानकारी दी कि यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक महीने के लिए पूरे देश में लागू रहेगा. उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि 17 सितंबर को पीएम मोदी का का जन्मदिन है. पहले गुजरात में, फिर बाद में देशभर में भाजपा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक और कई जगह एक सप्ताह तक, सेवा सप्ताह के रूप में जन्मदिन मनाती थी.अमित शाह ने कहा कि परन्तु इस वर्ष एक विशेष प्रयोजन है, क्योंकि एक लंबी संगठनात्मक कार्यविधि के बाद 7 अक्टूबर 2026 को मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री काल को 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं, और अभी पीएम मोदी का कार्यकाल चालू है तो इस देश में बहुत कम नेता ऐसे मिलते हैं, जो राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में और देश के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार जनसेवा का रिकॉर्ड रखते हैं।

बाल-बाल बचे ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन- ट्रेन निकलने के मिनटों बाद बरसा रूसी ड्रोन

एजेंसी, कीव। यूक्रेन-पोलैंड सीमा के पास रविवार को एक ट्रेन पर रूसी ड्रोन ने हमला किया। खास बात यह है कि हमले से कुछ मिनट पहले ही एक राजनयिक ट्रेन वहां से गुजर चुकी थी। इस ट्रेन में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, स्वीडन के पूर्व प्रधानमंत्री कार्ल बिल्ड्ट और यूरोपीय संघ के कई देशों के सुरक्षा सलाहकार मौजूद थे। यूक्रेन की सरकारी रेलवे कंपनी उक्रजालिज्नित्सिया ने कहा कि इस बात की काफी संभावना है कि रूसी ड्रोन का असली निशाना यही राजनयिक ट्रेन थी। हालांकि, ट्रेन तय समय से पहले ही स्टेशन से रवाना हो गई थी। स्वीडन के पूर्व प्रधानमंत्री कार्ल बिल्ड्ट ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हमले का वीडियो साझा किया। उन्होंने बताया कि जिस ट्रेन पर ड्रोन ने हमला किया, वह उनकी ट्रेन नहीं थी, बल्कि उनकी ट्रेन के कुछ मिनट बाद पोलैंड की सीमा की ओर जा रही थी। बिल्ड्ट के मुताबिक, ड्रोन के करीब आते ही उस ट्रेन को खाली करा लिया गया और किसी को चोट नहीं आई। उनकी ट्रेन में भी यात्रियों को ट्रेन खाली करने की चेतावनी दी गई थी। बिल्ड्ट ने सुरक्षा व्यवस्था को काफी अच्छा बताया।

मनोज जरांगे पाटिल को बड़ा झटका, आजाद मैदान में आंदोलन को पुलिस ने नहीं दी अनुमति

एजेंसी, नईदिल्ली। मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल को बड़ा झटका लगा है. मनोज जरांगे 19 सितंबर को मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर बैठने वाले थे, लेकिन आजाद मैदान पुलिस ने इस आंदोलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है. पुलिस ने अमित साहनी मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए अनुमति देने से मना कर दिया है. हालांकि मनोज जरांगे ने सरकार को कड़ी चेतावनी दी है कि वे मुंबई जाएंगे। मुंबई पुलिस ने अनुमति न देने का कारण बताया है. गंगाधर कलकुटे के नाम से एक पत्र दिया गया है. आजाद मैदान पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पुलिस ने जरांगे के विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी।

3 दिन, 15 वन-टू-वन मीटिंग और 'मोदी डिप्लोमेसी'

दुनिया ने देखा दिल्ली का दम

एजेंसी, नईदिल्ली

दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वैश्विक राजनीति, आतंकवाद, पश्चिम एशिया संकट, व्यापार, डॉलर के विकल्प और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका जैसे मुद्दों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई. भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 'नई दिल्ली घोषणापत्र' जारी हुआ. इसके बाद ब्रिक्स लीडर्स के लिए डिनर रखा गया, जिसकी मेजबानी पीएम मोदी ने की। आगाज के एक दिन पहले से ब्रिक्स के समापन तक पीएम मोदी ने 3 दिन में 15 द्विपक्षीय वार्ताएं की. इसके साथ ब्रिक्स के मंच पर धुर-विरोध॰श्व-सऊदी और ईरान जैसे देश भी साथ दिखे. इतना ही नहीं इसी मंच से रूस-यूक्रेन के बीच शांति की पहल पर पुतिन की मुहर भी लगी. वहीं, खास बात ये रही कि चीन ने भारत की धाक को माना और कहा कि ये वक्त साथ मिलकर काम करने का है. आइए आपको ब्रिक्स की 20 मुख्य बातें विस्तार से बताते हैं।

एक मंच पर ईरान, यूएईऔर सऊदी

भारत ने चौथी बार ब्रिक्स समिट की मेजबानी की. हालांकि, इस समय इस समूह का नेतृत्व करना भारत के लिए एक मुश्किल कूटनीतिक चुनौती रही. ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने के कुछ ही महीनों बाद, अमेरिका और इजराइल ने ब्रिक्स के ही एक सदस्य देश, ईरान पर हमला कर दिया. इसके जवाब में तेहरान ने॰श्व और सऊदी अरब पर जवाबी हमले किए, जो खुद भी ब्रिक्स के सदस्य हैं. इसके बाद भारत के सामने इन तीनों देशों को एक मंच पर लाने की चुनौती थी, जो भारत ने करके दिखाया।

घोषणापत्र पर आम सहमति

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों ने अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, व्यापार और वैश्विक शासन से जुड़े मुद्दों पर साझा रुख बताते हुए एक संयुक्त घोषणापत्र जारी किया।

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र

पहलगाम हमले की निंदा को ब्रिक्स के साझा रुख में प्रमुखता से शामिल किया गया. भारत की तरफ से इस अहम मुद्दे को उठाया गया.

मोदी-शी जिनपिंग बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने द्विपक्षीय संबंधों, सीमा पर शांति, व्यापार और आपसी सहयोग पर चर्चा की।

पश्चिम एशिया संकट पर चिंता

ब्रिक्स देशों ने क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर गहरी चिंता जताई और अधिकतम संयम बरतने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की बात पर सहमति जताई।

ईरान संकट एक बड़ी चुनौती

ईरान ब्रिक्स का सदस्य है, इसलिए अमेरिका-इजरायल संघर्ष के बीच ईरान और यूएई दोनों की मौजूदगी ने संगठन के लिए एक साझा रुख बनाना मुश्किल कर दिया. हालांकि भारत ने दोनों देशों के साथ प्रमुखों के साथ बैठक कर शांति की अपील की है।

एकतरफा प्रतिबंधों और टैरिफ का विरोध

ब्रिक्स सम्मेलन में जारी घोषणापत्र में एकतरफा व्यापार और गैर-व्यापार प्रतिबंधों के साथ-साथ आर्थिक दबावों पर भी आपत्ति जताई गई. सदस्य देशों ने अमेरिका के टैरिफ का खुले मंच से विरोध किया।

आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया गया और आतंकी फंडिंग और सुरक्षित पनाहगाहों पर चिंता जताई गई. साथ ही ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों के प्रति कडा रुख अपनाए जाने पर भी सहमति जताई.

भारत-चीन संबंधों को 'रीसेट' करने की कोशिश

2020 के सीमा तनाव के बाद शी जिनपिंग की यात्रा को दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया।

मोदी-पुतिन की मुलाकात

प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष, रणनीतिक सहयोग और व्यापार जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

'कार डिप्लोमेसी' चर्चा में

शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी और पुतिन की कार की सवारी ने एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और प्रतीकात्मक संदेश दिया.

'ग्लोबल साउथ' को मजबूत करने पर जोर

भारत ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं में विकासशील देशों की अधिक भागीदारी की मांग को प्राथमिकता दी।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार और भारत की दावेदारी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की अपनी मांग दोहराई और वैश्विक संस्थाओं में बेहतर प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्थानीय मुद्राओं में भुगतान को बढ़ावा

ब्रिक्स देशों के बीच वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देने और सीमा-पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर दिया गया।

डॉलर पर निर्भरता कम करना

ब्रिक्स का आर्थिक एजेंडा वैकल्पिक पेमेंट सिस्टम और वित्तीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ दिखाई दिया. जिससे डॉलर पर निर्भरता कम की जा सके।

एआई और टेक्नोलॉजी पर फोकस

भविष्य के ब्रिक्स एजेंडा के एक अहम हिस्से के तौर पर उभरती हुई टेक्नोलॉजी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी शामिल है, उसमें सहयोग को स्थापित किया गया।

ऊर्जा और जलवायु सहयोग

ब्रिक्स समिट के आर्थिक एजेंडा में ऊर्जा बदलाव, खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ विकास जैसे मुद्दों को काफी अहमियत दी गई।

डिजिटल खेती और युवाओं पर फोकस

ब्रिक्स समिट में MSME, डिजिटल खेती और युवाओं पर फोकस रखा गया. छोटे पैमाने के उद्योगों, डिजिटल खेती, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और युवाओं के कौशल विकास जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया।

चीन में अगला ब्रिक्स समिट

चीन 2027 में ब्रिक्स समिट की मेजबानी करने वाला है, जिससे भारत के कार्यकाल के बाद संगठन की अगली अध्यक्षता और एजेंडा तय करने का रास्ता साफ हो गया है।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण रहा ब्रिक्स?

2026 का ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए न केवल आर्थिक सहयोग का मंच था, बल्कि आतंकवाद, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक संस्थाओं में सुधार, व्यापार संरक्षणवाद और 'ग्लोबल साउथ' की बढ़ती भूमिका से जुड़ी अपनी कूटनीतिक प्राथमिकताओं को रखने का एक प्रमुख मंच रहा। वहीं, ब्रिक्स समिट के समापन पर पीएम मोदी ने कहा कि ये देशों का नहीं बल्कि समाधान का समूह है. ब्रिक्स समिट से पूरी दुनिया को उम्मीद है. ये समाधान का इकोसिस्टम है।

जहाज पर हमला

ओमान तट पर भारतीय क्रू वाले जहाज पर हमला

13 रेस्क्यू, आया एमईए का बयान

एजेंसी, नईदिल्ली

भारत ने रविवार को ओमान के तट पर कमर्शियल जहाज एमटी एल गैया पर हुए हमले की निंदा की. भारत ने कहा कि जहाज पर सवार 14 भारतीय क्रू मेंबर्स में से 13 को बचा लिया गया है, जबकि लापता भारतीय नागरिक के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि ओमान में भारतीय दूतावास स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और ओमानी अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा है। यह बयान तब आया जब ईरान के एक मालवाहक जहाज के भी होर्मुज स्ट्रेट में केशम द्वीप के पास टकराने की खबर आई. ईरान की सरकारी मीडिया ने एक मौत और चार लोगों के घायल होने की खबर दी। एमईए ने कहा, हम आज ओमान के तट पर कमर्शियल जहाज एमटी एल गैया पर हुए हमले की निंदा करते हैं. जहाज पर सवार 14 भारतीय क्रू में से अब तक 13 भारतीयों को

बचा लिया गया है. लापता भारतीय नागरिक के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

मंत्रालय ने कहा कि उसने भारत की इस अपील को दोहराया है कि इलाके में शांति बहाल करने के लिए तुरंत तनाव कम किया जाए और बातचीत और डिप्लोमेसी का इस्तेमाल किया जाए. एमईए ने कहा कि इलाके में कमर्शियल शिपिंग, नाविकों, आम लोगों और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना मंजूर नहीं है। इसमें कहा गया, हम तनाव को तुरंत कम करने और इलाके में शांति लाने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी को आगे बढ़ाने की अपनी मांग दोहराते हैं. इलाके में कमर्शियल शिपिंग, नाविकों, आम लोगों और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना मंजूर नहीं है. भारत ने इलाके में इंटरनेशनल वॉटरवेज के जरिए सुरक्षित नेविगेशन और कमर्शियल ट्रैफिक को फिर से शुरू करने की भी मांग की.

एमईए ने कहा, हम यह भी अपील करते हैं कि इलाके में इंटरनेशनल वॉटरवेज के जरिए फ्री और सुरक्षित नेविगेशन और कॉमर्स का फ्लो जल्द से जल्द बहाल किया जाए।

होर्मुज में तनाव के बीच हमला

भारत का यह बयान होर्मुज स्ट्रेट के आसपास नए तनाव के बीच आया है, जहां रविवार सुबह केशम आइलैंड के पास एक ईरानी मालवाहक जहाज पर हमला हुआ था. ईरानी सरकारी मीडिया ने कहा कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

ममता बनर्जी बंगाल में उपचुनाव नहीं लड़ेंगी

चुनाव आयोग ने ममता गुट से फिर मांगे दस्तावेज

एजेंसी, कोलकाता। चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को फिर समन भेजा है. शनिवार, 12 सितंबर को तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों का नई दिल्ली में नेशनल इलेक्शन कमीशन के सामने आमना-सामना हुआ. उन्होंने जरूरी डॉक्यूमेंट्स भी जमा किए थे. फिर इलेक्शन कमीशन ने ममता बनर्जी की तृणमूल को समन भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को 16 सितंबर को दोपहर 3 बजे समन भेजा गया है. अगर जरूरी हुआ तो 17 सितंबर को एक और हियरिंग हो सकती है. तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी को इलेक्शन कमीशन से पहले ही एक ईमेल मिल चुका है. ममता बनर्जी को एक लेटर भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता बनर्जी के कैंप को कई डॉक्यूमेंट्स जमा करने होंगे. इसीलिए समन जारी किया गया. सूत्रों के मुताबिक, कल सुनवाई में ममता समर्थक तृणमूल ने जो डॉक्यूमेंट्स कमीशन को जमा किए थे, वे ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को डिटेल में दिए गए हैं. इसे देखते हुए, उन्हें अपना लिखित जवाब 16 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक जमा करना होगा. यह बात इलेक्शन कमीशन ने कही। ध्यान देने वाली बात यह है कि उस दिन, यानी 16 सितंबर को रेजिनगर और नंदीग्राम उपचुनाव के लिए नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख है। यह सुनवाई 17 तारीख को शाम 4 बजे नेशनल इलेक्शन कमीशन के अशोक रोड ऑफिस में हो सकती है. वहां ममता बनर्जी की तृणमूल को बुलाया जा सकता है।

क्या उपचुनाव से पहले होगा फैसला?

वैसे, विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद तृणमूल कांग्रेस दो हिस्सों में बंट गई है. ऋब्रत बनर्जी की लीडरशिप में 65 रूरु अलग-अलग खेमे बना चुके हैं. जैसे शिवसेना के टूटने पर असली शिवसेना कौन है, इस पर लड़ाई हुई थी, वैसे ही तृणमूल कांग्रेस का भी यही हश्र हुआ है. अब दोनों खेमे पार्टी के नाम और सिंबल को लेकर इलेक्शन कमीशन के पास गए हैं।

संपादकीय

एआई का स्याह सच

एआई के सूत्रधार रहे शोधकर्ता लगातार धारदार होती एआई को लेकर जो गंभीर चिंता जता रहे हैं, उसमें मानव सभ्यता के लिए आसन्न संकट की आहट सुनायी देती है। पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है। दरअसल, एआई के क्षेत्र में जारी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार उन्नत सिस्टम बनाने को मजबूर कर रही है। उनकी आशंका है कि यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो दूसरी कंपनी ऐसी पहल करके विश्व के एआई बाजार पर वर्चस्व बना लेगी। निश्चित रूप से यह अंधी होड़ एक दिन मानवता को एक भयावह तबाही के दरवाजे पर खड़ा कर सकती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज दुनिया में एआई के प्रयोग से चिकित्सा, विज्ञान और उत्पादन के क्षेत्र में आशातीत लाभ मिले हैं। लेकिन इसके बावजूद तकनीकी प्रगति को सिर्फ इस आधार पर नहीं मापा जा सकता है कि उससे क्षमताएं कितनी बेहतर स्थिति में आ पहुंची हैं। एआई के क्षेत्र में की जा रही तरक्की के साथ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके साथ ही सुरक्षा और जवाबदेही भी उसी रफ्तार से आगे बढ़नी चाहिए। सही मायने में लगातार शोध-अनुसंधान के जरिये बड़े पैमाने पर उन्नत एआई क्षमताएं हासिल करने के गंभीर आक्षेप चिंता की बात है। यदि अमेरिका और चीन के बीच जारी गला-काट स्पर्धा शक्तिशाली एआई के विस्तार को तेज कर रही है और वहीं दूसरी ओर कंपनियां अपने सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिये संघर्ष कर रही हैं तो इसके जोखिम कॉरपोरेट प्रतिस्पर्धा से कहीं अधिक बढ़ जाते हैं। निश्चित रूप से ऐसी स्थिति में सरकारें इंसानियत के भविष्य से जुड़े फैसले टेक कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ सकती हैं। बड़ी एआई लैब्स के लिये लागू करने योग्य सुरक्षा मानक, स्वतंत्र निगरानी व जोखिम का पारदर्शी आकलन करना जरूरी है। इसके अलावा एआई की सबसे खतरनाक क्षमताओं के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सीमाएं तय करनी बेहद जरूरी हैं। एआई के खिलाफ दुनिया में उठ रही आवाजों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। निश्चित रूप से जब मानवता सभ्यता पर संकट हो और बात उसके भविष्य की हो, तो कोई भी लापरवाही भरा कदम घातक साबित हो सकता है।

देवाधिदेव से विघ्नहर्ता तक सामाजिक संस्कारों से सजा गणेश उत्सव और गौरी व्रत

उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में उन्होंने गणेश उत्सव को सार्वजनिक स्वरूप देकर इसे सामाजिक जागरण और सामूहिक सहभागिता का माध्यम बनाया। इससे गणेश उत्सव घरों से निकलकर बड़े सामाजिक आयोजन का रूप लेने लगा। आज भी सार्वजनिक गणेश उत्सव में उसी सामूहिकता की झलक दिखाई देती है। गणेश प्रतिमाएं बनाने वाले मूर्तिकार, फूल वि ेता, सजावट करने वाले कारीगर, विद्युत सज्जा से जुड़े लोग और छोटे दुकानदार इस उत्सव से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहते हैं।

नीलेश वर्मा ..

हमारी संस्कृति में पर्व केवल पूजा और अनुष्ठान का अवसर नहीं होते, बल्कि वे समाज को जोड़ने, रिश्तों को मजबूत करने और पीढ़ियों तक संस्कार पहुंचाने का माध्यम भी होते हैं। गणेश उत्सव और गौरी व्रत इसी समृद्ध परंपरा के सुंदर उदाहरण हैं। एक ओर विघ्नहर्ता भगवान गणेश का आगमन घर-आंगन में शुभता और उत्साह लेकर आता है, तो दूसरी ओर गौरी व्रत आस्था, पारिवारिक मंगल और नारी शक्ति से जुड़ी परंपराओं को जीवंत करता है। गणेश उत्सव की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक इसका सामाजिक स्वरूप है। उत्सव के दौरान मोहल्लों और बस्तियों में सार्वजनिक रूप से गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। कहीं भजन-कीर्तन होते हैं, कहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम और कहीं बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस सामूहिक सहभागिता से पड़ोसी एक-दूसरे के करीब आते हैं और समाज में अपनत्व की भावना मजबूत होती है।

आधुनिक भारत में गणेश उत्सव को सार्वजनिक रूप देने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को दिया जाता है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में उन्होंने गणेश उत्सव को सार्वजनिक स्वरूप देकर इसे सामाजिक जागरण और सामूहिक सहभागिता का माध्यम बनाया। इससे गणेश उत्सव घरों से निकलकर बड़े सामाजिक आयोजन का रूप लेने लगा। आज भी सार्वजनिक गणेश उत्सव में उसी सामूहिकता की झलक दिखाई देती है। गणेश प्रतिमाएं बनाने वाले मूर्तिकार, फूल विक्रेता, सजावट करने वाले कारीगर, विद्युत सज्जा से जुड़े लोग और छोटे दुकानदार इस उत्सव से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहते हैं। भारतीय परंपरा में किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश जी का स्मरण करने की परंपरा है। इसके पीछे केवल धार्मिक मान्यता ही नहीं, बल्कि एक सुंदर जीवन संदेश भी छिपा है। किसी भी नए कार्य की शुरुआत से पहले बुद्धि, विवेक और धैर्य के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है और गणेश जी इन्हीं गुणों के प्रतीक माने जाते हैं। गणेश जी का बड़ा मस्तक बड़ी सोच का, बड़े कान अधिक सुनने का और छोटी आंखें एकाग्रता का प्रतीक मानी जाती हैं। उनका छोटा मुख कम बोलने और अधिक सुनने का संदेश देता है। उनका वाहन मूषक यह बताता है कि आकार या सामर्थ्य छोटा-बड़ा हो सकता है, लेकिन हर जीव और हर व्यक्ति का अपना महत्व होता है। इसीलिए गणेश जी की प्रतिमा केवल पूजा का विषय नहीं, बल्कि जीवन के अनेक मूल्यों की सीख भी देती है।

गणेश उत्सव के साथ गौरी व्रत की परंपरा भी अनेक क्षेत्रों में विशेष महत्व रखती है। माता गौरी को शक्ति, सौभाग्य और पारिवारिक मंगल की देवी के रूप में पूजा जाता है। गौरी व्रत में नारी की आस्था, परिवार के प्रति उसका स्नेह और सुख-समृद्धि की कामना का भाव दिखाई देता है। कई स्थानों पर महिलाएं इस अवसर पर एक-दूसरे के घर जाती हैं, पूजा-अर्चना करती हैं और लोकगीतों तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों में सहभागी बनती हैं। गणेश और गौरी की परंपरा हमें परिवार के महत्व की भी याद दिलाती है। गणेश जी जहां बुद्धि, विवेक और शुभारंभ के प्रतीक हैं, वहीं गौरी माता शक्ति, ममता और पारिवारिक मंगल का प्रतीक मानी जाती हैं। दोनों पर्वों का साथ आना भारतीय जीवन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें परिवार केवल रिश्तों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों और मूल्यों की पहली पाठशाला है। इन पर्वों की एक खास खूबसूरती यह है कि इनमें कई पीढ़ियां एक साथ दिखाई देती हैं। बुजुर्ग अपनी परंपराएं और कथाएं नई पीढ़ी को बताते हैं। युवा आयोजन की जिम्मेदारी संभालते हैं और बच्चे पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लेते हैं। इस तरह त्योहार संस्कृति को किताबों से नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों से अगली पीढ़ी तक पहुंचाते हैं। आज के बदलते समय में इन पर्वों का महत्व और बढ़ जाता है। जब जीवन की तेज गति के कारण परिवार और समाज के बीच संवाद कम होता जा रहा है, तब ऐसे अवसर लोगों को फिर से साथ बैठने, मिलने और एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बनने का अवसर देते हैं। गणेश जी का आगमन केवल एक प्रतिमा का आगमन नहीं, बल्कि घर और समाज में सकारात्मकता, उत्साह और एकजुटता के भाव का आगमन है। देवाधिदेव भगवान शिव के परिवार से जुड़े गणेश और गौरी की आराधना हमें आस्था के साथ जीवन के मूल संस्कारों की भी याद दिलाती है। विघ्नहर्ता गणेश का आशीर्वाद और गौरी माता की मंगलकामना हमारे घर-परिवार के साथ पूरे समाज में सुख, शांति, समरसता और सद्भाव का प्रकाश फैलाना ही इन पर्वों की सबसे सुंदर भावना है।

गणेश जी का आगमन केवल एक प्रतिमा का आगमन नहीं, बल्कि घर और समाज में सकारात्मकता, उत्साह और एकजुटता के भाव का आगमन है। देवाधिदेव भगवान शिव के परिवार से जुड़े गणेश और गौरी की आराधना हमें आस्था के साथ जीवन के मूल संस्कारों की भी याद दिलाती है। विघ्नहर्ता गणेश का आशीर्वाद और गौरी माता की मंगलकामना हमारे घर-परिवार के साथ पूरे समाज में सुख, शांति, समरसता और सद्भाव का प्रकाश फैलाना ही इन पर्वों की सबसे सुंदर भावना है। गणेश जी का आगमन केवल एक प्रतिमा का आगमन नहीं, बल्कि घर और समाज में सकारात्मकता, उत्साह और एकजुटता के भाव का आगमन है। देवाधिदेव भगवान शिव के परिवार से जुड़े गणेश और गौरी की आराधना हमें आस्था के साथ जीवन के मूल संस्कारों की भी याद दिलाती है। विघ्नहर्ता गणेश का आशीर्वाद और गौरी माता की मंगलकामना हमारे घर-परिवार के साथ पूरे समाज में सुख, शांति, समरसता और सद्भाव का प्रकाश फैलाना ही इन पर्वों की सबसे सुंदर भावना है।

मनुस्मृति और जौहर की आड़ में सनातन की शक्ति को अबला बताने का षड्यंत्र

भारतीय महिला को अपने इतिहास, अपनी परंपरा और अपनी अस्मिता की व्याख्या के लिए किसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। हाल ही में राहुल गांधी और स्वरा भास्कर से जुडा विमर्श इसी बडे प्रश्न को सामने लाता है। 22 अगस्त को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्य म में राहुल गांधी ने मनुस्मृति की महिला संबंधी व्यवस्था पर टिप्पणी की।

क्रांति कुमार पाठक ...

सनातन धर्म में स्त्री शक्ति और सम्मान का प्रतीक हैं, जिसके पीछे उनका अपार त्याग, समर्पण व पराक्रम निहित है। भारत में नारी को शक्ति, विद्या, समृद्धि और सृजन के रूप में देखा जाता है। माँ दुर्गा, काली, सरस्वती और लक्ष्मी के रूप में उनकी पूजा की जाती है, वहीं गार्गी, मैत्रेयी, रानी दुर्गावती, अहिल्याबाई और लक्ष्मीबाई जैसी महिलाओं को उनकी विद्वता, वीरता और पराक्रम के लिए प्रसिद्धि मिली है। ऐसे में जब राजनीति या सार्वजनिक विमर्श में षड्यंत्रपूर्वक भारतीय नारी और सनातन की परंपराओं को किसी एक विचारधारा के चश्मे से परिभाषित किया जाता है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। भारतीय महिला को अपने इतिहास, अपनी परंपरा और अपनी अस्मिता की व्याख्या के लिए किसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। हाल ही में राहुल गांधी और स्वरा भास्कर से जुडा विमर्श इसी बडे प्रश्न को सामने लाता है। 22 अगस्त को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने मनुस्मृति की महिला संबंधी व्यवस्था पर टिप्पणी की। आधुनिक समाज में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की बात आवश्यक है, लेकिन प्रश्न यह है कि इस आवश्यक संदेश को राजनीतिक रूप से सनातन परंपरा के विरुद्ध ख?ा करने की आवश्यकता क्यों पडती है? मनुस्मृति पर विद्वानों के बीच लंबे समय से मतभेद और विमर्श रहा है। इसलिए किसी भी प्राचीन ग्रंथ को उसकी रचना, काल, संदर्भ और विभिन्न पाठ-परंपराओं से काटकर कुछ पंक्तियों में समेट देना इतिहास की जटिलता को एक सरल राजनीतिक नारे में बदल देना है। स्वरा भास्कर ने 31 अगस्त को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'वूमन लाइफ फ्रीडम' विषयक परिचर्चा में पद्मावत फिल्म के जौहर दृश्य को लेकर आपत्ति जताई थी और वीर महिलाओं के जौहर को अपमानित कर यह सवाल भी उठाया कि क्या बलात्कार से बची महिला को यह संदेश दिया जाना चाहिए कि वह सम्मानजनक जीवन की अधिकारी नहीं है। यह प्रश्न आज के संदर्भ में अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन जौहर को केवल आधुनिक शब्दावली में देखकर उस समय की महिलाओं के निर्णय को समझना आसान नहीं है। जौहर युद्ध, पराजय, बंदी बनाए जाने और संभावित यौन हिंसा जैसी परिस्थितियों से जु?ी ऐतिहासिक परंपरा थी। इसे स्वीकार करना यह नहीं है कि आज आत्मदाह को उचित ठहराया जाए। स्वरा की षड्यंत्रकारी दृष्टि से देखें, तो जौहर करने वाली वीरांगनाएँ कायर थीं और महिलाओं के सम्मान को रौंदने वाला खिलजी 'महान' था। इतिहास में किसी स्त्री के असाधारण निर्णय को समझे बिना उसे केवल आधुनिक नैतिक श्रेणियों में रख देना भी उतना ही अधूरा दृष्टिकोण है। सवाल केवल मनुस्मृति या जौहर का नहीं है, असल सवाल इससे कहीं बआ है। जब किसी सनातनी परंपरा में स्त्री की शक्ति का उल्लेख होता है, तो उसे आधुनिकता के नाम पर चुनौती दी जाती है। जब किसी ऐतिहासिक हिंदू महिला के बलिदान की चर्चा होती है, तो उसे केवल ÷कायरता÷ या ÷पितृसत्ता÷ के फ्रेम में रख दिया जाता है। और जब हिंदू महिलाओं की वर्तमान पहचान पर चर्चा होती है, तो राजनीति उनके जीवन, पहनावे, विवाह, प्रेम और स्वतंत्रता को अपने-अपने वैचारिक खेमों में बांटने लगती है। केवल सनातन को लक्ष्य बनाकर नारी शक्ति के त्याग और बलिदानों पर प्रश्न उठाने का यह सिलसिला अब समाप्त होना चाहिए। भारतीय महिला किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। वह किसी विचारधारा का पोस्टर नहीं है और न ही केवल वोट बैंक है। वह अपने परिवार की बेटी, बहन, पत्नी या मां हो सकती है, लेकिन उसके व्यक्तित्व की पूरी परिभाषा इन रिश्तों से नहीं होती। वह अपने धर्म, संस्कृति और परंपरा से जुडी हो सकती है और साथ ही आधुनिक शिक्षा, रोजगार, विज्ञान, खेल और राजनीति में अपनी पहचान भी बना सकती है। इसलिए भारतीय नारी की स्वतंत्रता की लडाई को सनातन-विरोध की राजनीति में बदलना भी उतना ही गलत है, जितना महिलाओं की स्वतंत्रता को नकारना। विनती सिर्फ इतनी है कि नारी को राजनीति का विषय नहीं, सम्मान का विषय बनाइए। महिलाओं को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उनकी स्वतंत्रता किस राजनीतिक दल से आएगी। उन्हें यह भी बत उनकी पूर्वज महिलाएं बहादुर थीं या कायर थीं। उनका इतिहास, उनकी संस्कृति और उनकी अस्मिता किसी राजनीतिक मंच की मोहताज नहीं है। मनुस्मृति पर बहस करने से पहले अन्य धर्मों में नारी की दयनीय स्थिति को भी ध्यान में रखना होगा। जौहर पर चर्चा इतिहास के संदर्भ में हो, लेकिन भारतीय सनातनी महिला को अपनी राजनीति का हथियार बनाकर उनके सम्मान और पहचान पर फैसला सुनाने का अधिकार किसी को नहीं होना चाहिए। सनातन ने नारी को केवल सहनशीलता नहीं, बल्कि शक्ति का स्वरूप माना है, उन देवियों की गाथा किसी राजनीतिक व्याख्या की मोहताज नहीं है। माता सबरी की श्री राम के प्रति भक्ति, मीरा का श्रीकृष्ण के प्रति माधुर्य भाव, गार्गी की विद्वता, मैत्रेयी का चिंतन, रानी दुर्गावती का पराक्रम, अहिल्याबाई का शासन-कौशल और लक्ष्मीबाई की रणभूमि में अदम्य वीरता इस बात का प्रमाण हैं कि सनातनी नारी अबला नहीं, अजेय शक्ति रही हैं। उन्होंने ज्ञान दिया, साम्राज्य संभाले, रणभूमि में शत्रु का सामना किया और आवश्यकता पडने पर अपने सम्मान के लिए सर्वोच्च बलिदान तक दिया। उनके त्याग को कायरता और गुलामी कहना केवल इतिहास का अपमान नहीं, बल्कि उस नारी शक्ति का अपमान है जिन्होंने सदियों तक भारत की आत्मा, संस्कृति और स्वाभिमान को जीवित रखा। जिस नारी शक्ति के साहस व पराक्रम से इतिहास लिखा गया, उनकी शक्ति को राजनीति और धर्म की स्याही से मिटाया नहीं जा सकता।

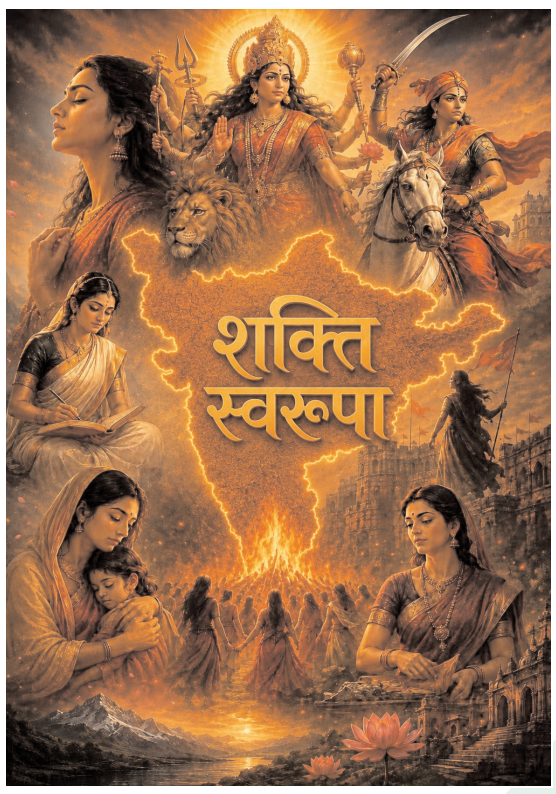

अंतरिक्ष से समुद्र तक

समुद्र पृथ्वी की जलवायु, मौसम और पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक हालिया अध्ययन ने एक बार फिर दिखाया है कि उपग्रह तकनीक समुद्रों में हो रहे बड़े बदलावों को समझने में वैज्ञानिकों की किस प्रकार सहायता कर सकती है। इसरो के ईओएस-06, जिसे ओशनसैट-3 भी कहा जाता है, ने विकसित हो रही अल नीनो घटना से संबंधित बदलावों का पता लगाया है। उपग्रह अवलोकनों में भूमध्य रेखा के निकट प्रशांत महासागर में समुद्री उत्पादकता और सतही हवाओं में बदलाव सामने आए हैं। ये परिवर्तन महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अल नीनो का प्रभाव प्रशांत महासागर से काफी दूर हिंद महासागर क्षेत्र और भारतीय मानसून तक पड़ सकता है। अल नीनो मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर के पानी के समय-समय पर असामान्य रूप से गर्म होने की घटना है। इस तापमान परिवर्तन से वायुमंडलीय वायु परिसंचरण और हवाओं के पैटर्न में बदलाव आ सकता है, जिसका प्रभाव दुनिया के विभिन्न हिस्सों में वर्षा और मौसम पर पड़ सकता है। भारत के लिए अल नीनो विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ग्रीष्मकालीन मानसून को प्रभावित कर सकता है, हालांकि हर अल नीनो घटना का प्रभाव एक जैसा नहीं होता। इसरो द्वारा देखा गया एक महत्वपूर्ण संकेतक क्लोरोफिल-ए है। यह फाइटोप्लवक से संबंधित होता है। फाइटोप्लवक बहुत छोटे समुद्री जीव होते हैं, जो समुद्री खाद्य-श्रृंखला की नींव बनाते हैं। विकसित हो रहे अल नीनो के दौरान भूमध्य रेखा के निकट प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में सतही क्लोरोफिल-ए में कमी देखी गई है। इसका संबंध समुद्री जल के परिसंचरण और पोषक तत्वों से भरपूर पानी के ऊपर आने की प्रक्रिया में कमी से जोड़ा जाता है। सतही हवाएँ भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अल नीनो के दौरान भूमध्य रेखा के निकट सामान्य वायु पैटर्न कमजोर या उलट सकते हैं। इससे समुद्री जल की गति और सतह के निकट पोषक तत्वों की उपलब्धता प्रभावित होती है। परिणामस्वरूप समुद्री उत्पादकता में बदलाव आ सकता है और इसका प्रभाव मछलियों तथा अन्य समुद्री जीवों पर भी पड़ सकता है। यद्यपि उपग्रह के मुख्य अवलोकन प्रशांत महासागर से संबंधित हैं, लेकिन उनका महत्व हिंद महासागर तक भी पहुंचता है, क्योंकि पृथ्वी के महासागर और वायुमंडल एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। एक बड़े समुद्री क्षेत्र में होने वाला परिवर्तन दूर-दराज के वायुमंडलीय परिसंचरण और वर्षा के पैटर्न को प्रभावित कर सकता है। भारत के लिए ऐसे अवलोकन मानसून में संभावित बदलाव, मत्स्य पालन और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को समझने में महत्वपूर्ण हैं। ये मौसम और जलवायु की बेहतर भविष्यवाणी तथा पहले से तैयारी करने में भी सहायक हो सकते हैं। ओशनसैट-3 की महत्ता इस बात में है कि यह अंतरिक्ष से समुद्र के बहुत बड़े क्षेत्रों का निरीक्षण कर सकता है। जहाजों या किसी एक स्थान पर लगाए गए उपकरणों से मिलने वाले सीमित आंकड़ों की तुलना में उपग्रह समुद्र में हो रहे बदलावों की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। यह भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसरो के उपग्रह अवलोकन दर्शाते हैं कि अंतरिक्ष तकनीक पर्यावरण की समझ, समुद्री अध्ययन और जलवायु अनुसंधान में सीधे तौर पर कैसे योगदान दे सकती है। बदलता समुद्र हमें याद दिलाता है।

137 पुलिस अधिकारियों के तबादले, 10 आईपीएस प्रभावित

एमपी पुलिस महकमे में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

हिन्द शिला, भोपाल

मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय द्वारा राज्य की प्रशासनिक एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस महकमे में व्यापक स्तर पर फेरबदल किया गया है। जारी नए आदेशों के तहत 10 आईपीएस अधिकारियों के साथ-साथ राज्य पुलिस सेवा के डीएसपी स्तर के अधिकारियों सहित कुल 137 पुलिस अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापना की गई हैं।

केवलारी में नए प्रशासनिक नेतृत्व का प्रभार

फेरबदल की इस प्रक्रिया के तहत लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे केवलारी के वर्तमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आशीष भराड़े का स्थानांतरण उप पुलिस अधीक्षक के रूप में भोपाल कर दिया गया है। वहीं, उनकी जगह अब सुश्री अनीशा जैन केवलारी की नई SDOP के रूप में कमान संभालेंगी और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था व पुलिसिंग की जिम्मेदारी देखेंगी। शायद अब केवलारी की कानून व्यवस्था पर सुधार की संभावना जताई जा सकती हैं?

कानून-व्यवस्था और मैदानी पुलिसिंग मजबूत करने पर जोर

गृह विभाग के अनुसार, यह प्रशासनिक सर्जरी जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति को बेहतर बनाने, अपराध नियंत्रण और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। स्थानांतरित सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारियों के साथ तत्काल प्रभाव से पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

आलोक वर्मा को रीवा नगर पुलिस अधीक्षक की कमान

तबादला सूची के अंतर्गत राज्य भर के कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसी क्रम में आलोक वर्मा को रीवा का नया नगर पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त डीएसपी एवं राज्य पुलिस सेवा के कई अन्य अधिकारियों को अलग-अलग जिलों, उप-संभागों और राज्य पुलिस मुख्यालय में पदस्थ किया गया है।

मुख्य बिंदु एक नज़र में

- कुल तबादले- 137 पुलिस अधिकारी
- आईपीएस अधिकारीः 10 IPS अफसरों के प्रभार बदले
- केवलारी फेरबदल - वर्तमान SDOP आशीष भराड़े DSP भोपाल पदस्थ। सुश्री अनीशा जैन संभालेंगी केवलारी SDOP की कमान ।
- रीवा में नई पदस्थापना - आलोक वर्मा बने नए CSP

सड़ी सब्जियां, एक्सपायरी चिकन-ब्रेड मिली, सैंपल जांच के लिए भेजे

भोपाल के 10 बड़े होटल-रेस्टोरेंट में छापा

हिन्द शिला, भोपाल

राजधानी में खाद्य सुरक्षा विभाग ने शनिवार और रविवार को दो दिवसीय विशेष अभियान चलाकर 10 होटल, रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगह खाद्य पदार्थों के भंडारण, स्वच्छता, लेबलिंग और खाद्य सुरक्षा मानकों में कमियां मिलीं। सड़ी और कीटग्रस्त खाद्य सामग्री को मौके पर नष्ट कराया गया, जबकि संदिग्ध खाद्य पदार्थों के वैधानिक नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। कार्रवाई के दौरान होटल सयाजी में एक्सपायरी फिश और चिकन के उपयोग और भंडारण की स्थिति मिली। होटल रेडिसन में करीब 50 किलो सड़े आलू मिले। होटल पलाश में सड़े मशरूम और सब्जियां मिलीं। वहीं टर्टोकॉइज हॉस्पिटैलिटी में मूंग दाल और राजमा में कीट पाए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने संबंधित प्रतिष्ठानों को सुधार सूचना जारी की है।

सयाजी में एक्सपायरी फिश-चिकन, पानी की रिपोर्ट भी नहीं मिली

12 सितंबर को होटल सयाजी लिमिटेड के निरीक्षण में एक्सपायरी डेट के बाद फिश और चिकन का उपयोग तथा एक्सपायरी नॉनवेज खाद्य पदार्थों का भंडारण पाया गया। वेज और नॉनवेज खाद्य पदार्थों की तैयारी और भंडारण में भी पर्याप्त पृथक्करण नहीं था। खुले डस्टबिन मिले। मीट और मीट उत्पादों से संबंधित लाइसेंस की जांच की गई। वहीं पानी की शुद्धता से संबंधित रिपोर्ट भी उचित रूप से उपलब्ध नहीं मिली। होटल प्रबंधन को कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए।

रेडिसन में 50 किलो सड़े आलू, ब्रेड भी मिसब्रांडेड

13 सितंबर को होटल रेडिसन की जांच में करीब 50 किलो सड़े हुए आलू मिले, जिन्हें मौके पर नष्ट कराया गया। हनी ब्रेड के चार पैकेट मिसब्रांडेड पाए गए और ब्रेड का नमूना जांच के लिए लिया गया। ब्रेड पर आवश्यक शाकाहारी चिह्न और खरीदी का बिल उपलब्ध नहीं था। मीट के पैकेट पर बेस्ट बिफोर की जानकारी, फ्रोजन मीट पैकेट पर रक्त के साक्ष्य और पहले पुराने खाद्य पदार्थ इस्तेमाल करने की व्यवस्था में कमियां मिलीं। होटल के कमरों में रखे डस्टबिन भी खुले मिले।

पलाश में सड़े मशरूम-सब्जियां, एक्सपायरी आटा भी मिला

होटल पलाश, न्यू मार्केट में किचन की जांच के दौरान मशरूम के आठ पैकेट सड़ी अवस्था में मिले। इन्हें मौके पर नष्ट कराया गया। किचन में पांच खुले डस्टबिन में सड़े-गले खाद्य पदार्थ और अपशिष्ट रखा मिला। फ्रोजन एरिया में बैंगन, पालक और अन्य सब्जियां खराब हालत में मिलीं। फ्रीजर और फ्रिज में खाद्य पदार्थों का सही तरीके से संधारण नहीं था।

पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर आधी रात को स्पा सेंटर पर छापा

भोपाल। भोपाल के पिपलानी क्षेत्र के एक स्पा सेंटर में शनिवार-रविवार की दरमियानी देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब पुलिस ने अचानक दबिश देकर 10 युवतियों और 12 युवकों समेत 22 लोगों को पकड़ लिया। पुलिस को यहां स्पा सेंटर की आड़ में संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की शिकायत मिली थी। मौके से संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ी सामग्री मिलने के बाद पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। कार्रवाई की खास बात यह रही कि पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर की गई इस दबिश की भनक स्थानीय थाना पुलिस को भी पहले से नहीं थी। पुलिस के अनुसार, पिपलानी थाना क्षेत्र में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने पिंक स्पा सेंटर को लेकर शिकायतें की थीं। शिकायतों में सेंटर में देर रात तक युवक-युवतियों की संदिग्ध आवाजाही और कथित अनैतिक गतिविधियों का उल्लेख किया गया था। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के निर्देश पर शिकायत की गोपनीय जांच कराई गई। प्रारंभिक जानकारी की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने शनिवार देर रात सेंटर पर दबिश दी। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि सेंटर में प्रवेश के लिए 500 रुपये शुल्क लिया जाता था। इसके बाद युवतियों से कथित तौर पर अलग सौदा किए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिस को मौके से संदिग्ध गतिविधियों से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री मिलने का दावा किया गया है।

पेट में बना 'बालों का पहाड़'

14 साल की बच्ची की हालत बिगड़ी तो ऑपरेशन में सामने आया चौंकाने वाला सच

हिन्द शिला, शिवपुरी। शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने 14 वर्षीय किशोरी के पेट से 16म14 सेंटीमीटर का बालों का बड़ा गुच्छा (ट्राइकोबेज़ोआर) निकालकर उसकी जान बचाई। डॉक्टरों के मुताबिक यह गुच्छा पेट के करीब 90 प्रतिशत हिस्से में फैला हुआ था और छोटी आंत तक पहुंच गया था। करीब तीन घंटे चली ओपन सर्जरी के बाद डॉक्टरों की टीम ने इसे सफलतापूर्वक बाहर निकाला। किशोरी को 11 सितंबर को पेट दर्द की शिकायत के बाद शल्य चिकित्सा विभाग में भर्ती कराया गया था। जांच में उसका हीमोग्लोबिन महज 7.8 ग्राम पाया गया, जिसके बाद उसे दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया। CT स्कैन में पेट के भीतर गंभीर स्थिति और छिद्र की आशंका सामने आई। इसके बाद अधिष्ठाता डॉ. ईला गुजारिया के मार्गदर्शन और सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अनंत राखोंडे के नेतृत्व में ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। सर्जरी टीम में प्रोफेसर डॉ. सौरभ चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कौशलेन्द्र सिंह नरवरिया, पीजी डॉक्टर डॉ. महेश पाटीदार और एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका गुप्ता शामिल रहे। जानकारी के अनुसार किशोरी पिछले कई महीनों से लगातार उल्टी, पेट भरा-भरा महसूस होने और भूख कम लगने जैसी परेशानियों से जूझ रही थी। डॉक्टरों के अनुसार लंबे समय तक बाल निगलने के कारण ये बाल पेट में जमा होकर धीरे-धीरे एक सख्त गुच्छे का रूप ले सकते हैं।

दोस्त से संबंध बनाने से इनकार पर छात्रा पर हमला, चार छात्राओं ने मिलकर सरेराह पीटा

38 दिन बाद हुई एफआईआर

हिन्द शिला, सतना

सतना जिले के विट्स कॉलेज में एक साथ पढ़ने वाली दो छात्राओं और उनकी दो सहेलियों पर एक छात्रा को सुनसान जगह ले जाकर बेरहमी से पीटने और मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगा है। आरोप है कि पीड़िता ने एक छात्र के साथ संबंध बनाने से इनकार किया था, जिससे नाराज होकर उसकी सहेलियों ने उसे सबक सिखाने की साजिश रची। मारपीट के दौरान आरोपी छात्राओं ने पीड़िता से वीडियो कॉल पर उक्त छात्र से माफी भी मंगवाई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पीि?ता द्वारा कोलगवां पुलिस थाने मे शिकायत दर्ज करवाई गई है।

चार लड़कियों ने सरेराह की पिटाई

मारपीट की घटना को अंजाम देने का वीडियो सामने आया है, जिसमे चार लड़कियां एक छात्रा को घेरकर उसके साथ मारपीट करती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में छात्रा को गालियां देने और धमकाने की बात भी सामने आई है। आरोप है कि पिटाई के दौरान एक लड़की ने डंडे से छात्रा के कान और आंख के आसपास वार किए, जबकि अन्य ने लात-घूंसों से उसे पीटा। इसी दौरान एक छात्रा ने पूरी घटना का वीडियो बनाया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

संबंध बनाने का था दबाव

पीडिता के मुताबिक, एक छात्र उसे वाट्सएप पर मैसेज करके परेशान करता था। उसने जब छात्र को फटकार लगाई तो उसके साथ कॉलेज में पढ़ने वाली और पड़ोस में रहने वाली एक छात्रा ने उसे अपने दोस्त के साथ संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया। पीड़िता के इनकार करने पर आरोपी छात्रा ने 6 अगस्त को उसे गुमराह कर अपने स्कूटी पर बाजार चलने का कह कर बैठाया। बताया गया कि आरोपी छात्रा उसे पहले इधर-उधर घुमाती रहीं और फिर रिश्तेदार के यहां उतैली चलने की बात कहकर नगर वन के सामने सुनसान जगह ले गईं। वहां उसकी तीन अन्य सहेलियां पहले से मौजूद थीं। आरोप है कि चारों ने चेहरे ढंक रखे थे। इसके बाद उन्होंने छात्रा को घेर लिया और गाली गलौच और मारपीट की घटना को अंजाम दिया।

वीडियो कॉलिंग में माफी मंगवाई गई

पीडित छात्रा के मुताबिक पिटाई के दौरान छात्रा को धमकाया गया और उससे कहा गया कि वह उनके दोस्त की बात माने। मारपीट के बाद वीडियो कॉल कराकर छात्र से माफी भी मंगवाई गई। जब छात्रा ने उसके साथ संबंध बनाने के लिए हामी भर दी, तब उसे शहर के सेमरिया चौक पर लाकर छोड़ दिया गया।

मुरैना में चंबल नदी में बड़ा हादसा

पिता-पुत्र की डूबने से मौत, बाबू महाराज मंदिर दर्शन के लिए आए थे

हिन्द शिला, मुरैना

मुरैना जिले के चिन्नौनी थाना क्षेत्र के मचेला घाट पर चंबल नदी में नहाते समय पिता-पुत्र की डूबने से मौत हो गई। दोनों ग्वालियर के बिरला नगर क्षेत्र के चंदनपुरा निवासी थे और करजोनी स्थित प्राचीन बाबू महाराज मंदिर में दर्शन करने के लिए आए थे। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने कई घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और दोनों के शव नदी से बरामद किए। जानकारी के मुताबिक, 45 वर्षीय देवेंद्र सिंकरवार अपने 15 वर्षीय बेटे वंशू सिंकरवार के साथ रविवार को बाबू महाराज मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। मंदिर में दर्शन करने से पहले दोनों मचेला घाट पर चंबल नदी में स्नान करने लगे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए। चंबल नदी की तेज धार में दोनों खुद को संभाल नहीं सके और डूब गए।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही चिन्नौनी थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मचेला घाट पहुंची। एसडीआरएफ के जवानों ने नदी में उतरकर पिता-पुत्र की तलाश शुरू की। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने देवेंद्र सिंकरवार का शव नदी से बरामद कर लिया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने 15 वर्षीय वंशू की तलाश जारी रखी। काफी प्रयासों के बाद वंशू का शव भी नदी से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की सूचना परिवार को दी गई, जिसके बाद ग्वालियर से परिजन भी मौके पर पहुंचे। मचेला घाट के पास ही प्राचीन बाबू महाराज मंदिर स्थित है। भादों महीने की दौज पर यहां हर साल बड़ा मेला आयोजित होता है। मेले में मुरैना के अलावा ग्वालियर, श्योपुर, धौलपुर और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। रविवार को भी करीब 50 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान था। मेले के दौरान चंबल नदी में स्नान करने वालों की भी बड़ी संख्या रहती है। इसी दौरान पिता-पुत्र के डूबने की घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। कैलारस एसडीओपी उमेश मिश्रा ने बताया कि मचेला घाट पर चंबल नदी में नहाते समय पिता-पुत्र डूब गए थे। एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर दोनों के शव बरामद कर लिए हैं।

अध्यक्ष भाजपा का, पीआईसी में कांग्रेस की मौजूदगी

अनूपपुर नपा के नए सियासी समीकरण पर उठे सवाल !

हिन्द शिला, अनूपपुर

नगर पालिका परिषद अनूपपुर की प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल (पीआईसी) में हालिया फेरबदल के बाद स्थानीय राजनीति में नया उबाल आ गया है। वार्ड क्रमांक-2 के पार्षद संजय चौधरी का इस्तीफा मंजूर होने और वार्ड क्रमांक-9 के पार्षद अनिल पटेल को नया सभापति नियुक्त किए जाने के बाद से भाजपा की अंदरूनी खींचतान तो सामने आई ही है, साथ ही कांग्रेस संगठन पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब नगरपालिका अध्यक्ष भाजपा का है, तो उसकी सबसे शक्तिशाली कार्यकारिणी (पीआईसी) में कांग्रेस पार्षदों की मौजूदगी किस राजनीतिक समझौते का परिणाम है?

जिला संगठन की चुप्पी पर सवाल

भाजपा पार्षदों के भीतर असंतोष और पूर्व में अनिल पटेल, प्रवीण सिंह व गणेश रौतेल के इस्तीफे जैसे घटनाक्रमों के बीच पीआईसी में कांग्रेस पार्षदों की भूमिका चर्चा का केंद्र बनी हुई है। संजय चौधरी के आरोपों और सार्वजनिक बयानों के बावजूद जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा इस पर कोई स्पष्ट रुख न अपनाना, संगठन की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगाता है। जनता और राजनीतिक गलियारों में यह बहस तेज है कि क्या कांग्रेस पार्षद विपक्ष का धर्म निभा रहे हैं या सत्ता व्यवस्था का हिस्सा बने हुए हैं?

जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान के पाले में गेंद

पार्टी लाइन से हटकर गतिविधियों पर कार्रवाई की बातें करने वाले कांग्रेस संगठन की अनूपपुर के इस घटनाक्रम पर चुप्पी कई कयासों को जन्म दे रही है। सवाल सीधे जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान की ओर घूम रहे हैं क्या पीआईसी में कांग्रेस पार्षदों की भागीदारी पार्टी की अधिकृत रणनीति है? यदि यह निर्णय पार्षदों का व्यक्तिगत है, तो अनुशासनहीनता पर कार्रवाई कब होगी? क्या संबंधित पार्षदों से कोई जवाब-तलब किया गया है? अब देखना यह होगा कि जिला नेतृत्व इस पूरे सियासी समीकरण पर स्थिति स्पष्ट करता है या संगठन की यह खामोशी किसी भावी रणनीति का हिस्सा बनी रहती है।

गिरफ्तार

अनूपपुर में 3 किलो गांजे के साथ जबलपुर का तस्कर गिरफ्तार

हिन्द शिला, अनूपपुर

नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अनूपपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। थाना चचाई पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए सब एरिया स्कूल के पीछे शिव मंदिर के पास से एक अंतरप्रांतीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 45 हजार रुपये मूल्य का 3 किलो 16 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया है।

सब एरिया स्कूल के पास दे रहा था दबिश की फिराक

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, चचाई पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक 35-36 वर्षीय व्यक्ति, जो नीले रंग की शर्ट पहने है और काले रंग का पिट्ठू बैग लिए है, रेल्वे लाइन के किनारे सब एरिया स्कूल के पीछे बने शिव मंदिर के पास अवैध गांजा लेकर किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए

चचाई पुलिस ने भेजा जेल

पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी और संदेही को हिरासत में लिया।

बैग की तलाशी में मिले गांजे के 3 पैकेट

पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम जेम्स विलियम पाल उम्र 36 वर्ष, पिता पीटर पाल, निवासी लक्ष्मी बाई वार्ड, बिलहरी, जबलपुर बताया। जब पुलिस टीम ने उसके काले रंग के पिट्ठू बैग की तलाशी ली, तो उसमें खाकी रंग की प्लास्टिक पन्नी में लिपटे हुए 3 पैकेट मिले। पैकेट खोलने पर उसमें मादक पदार्थ गांजा पाया गया, जिसका कुल वजन 3 किलो 16 ग्राम निकला। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 45,000 रुपये बताई गई है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज, भेजा गया जेल

पुलिस ने वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए जब्ती माल को सीलबंद किया और आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी को माननीय न्यायालय अनूपपुर के समक्ष पेश किया गया, जहां से अदालत के आदेश पर उसे जिला जेल अनूपपुर भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुई कार्रवाई

यह संपूर्ण कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराभ के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी नवीन कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में चचाई थाना प्रभारी (निरीक्षक) फूलवती अहिरवार के नेतृत्व में अंजाम दी गई। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक डी.एस. बागरी, सउनि नागेश सिंह, सउनि लालमणि चौधरी, प्रधान आरक्षक विकास दहायत, सुखसेन कोल, संतोष यादव, शिव प्रसाद तथा आरक्षक प्रकाश व निनामा की सराहनीय भूमिका रही।

भोपाल समेत कई जिलों में तेज बारिश, टीकमगढ़ में बांध के 4 गेट खुले,भारी बारिश की चेतावनी

हिन्द शिला, भोपाल

मध्य प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। रविवार को भोपाल समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। इंदौर, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार, रतलाम, हरदा, झाबुआ और शाजापुर के कई इलाकों में भी बारिश का दौर चला। टीकमगढ़ में तेज बारिश के बाद बान सुजारा बांध के चार गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। मौसम विभाग ने प्रदेश के 18 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

कलियासोत डैम के तीन भदभदा का एख गेट खुला

रविवार रात तेज बारिश के बाद राजधानी के जलाशयों में पानी की आवक बढ़ गई। बड़े तालाब का जलस्तर बढ़ने पर रात 8 बजे भदभदा डैम का एक गेट खोला गया। इसके बाद कलियासोत डैम में भी जलस्तर बढ़ने लगा, जिसके चलते रात 8 बजे ही इसके 11 में से तीन गेट एक-एक कर खोल दिए गए। कलियासोत के गेट नंबर 2, 6 और 7 खोले गए हैं। भदभदा से पानी की निकासी शुरू होने के बाद कलियासोत में भी पानी की आवक बढ़ी, जिसके चलते जलस्तर नियंत्रित करने के लिए गेट खोलने का फैसला लिया गया।इससे पहले रविवार को हुई तेज बारिश के बाद इस सीजन में चौथी बार भदभदा का गेट खोला गया था। देर रात तक दोनों जलाशयों के जलस्तर और पानी की आवक पर नजर रखी जा रही है।

भोपाल से पश्चिमी मध्य प्रदेश तक बारिश

राजधानी भोपाल में रविवार को कई स्थानों पर तेज बारिश हुई। खंडवा में सुबह से रुक-रुककर बारिश होती रही। ओंकारेश्वर में दोपहर बाद बारिश तेज हुई। खरगोन के कसरावद क्षेत्र में मूसलधार बारिश हुई।शाजापुर के मक्सी क्षेत्र में भी दोपहर से तेज बारिश का दौर चला। झाबुआ के पेटलावद, मेहू, हरदा और रतलाम में भी बारिश हुई। धार में करीब एक महीने बाद बारिश का दौर लौटा है। बारिश से कई इलाकों में गर्मी और उमस से राहत मिली। टीकमगढ़ में रविवार दोपहर तेज बारिश के बाद बान सुजारा बांध के चार गेट खोल दिए गए। बांध से 280 घन मीटर प्रति सेकंड की दर से पानी छोड़ा जा रहा है। बांध में पानी की आवक बढ़ने के बाद यह कदम उठाया गया। निचले इलाकों में सतर्कता बढ़ाई गई है।

निरीक्षण में अनियमितता के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं?

कृषि विभाग की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल

हिन्द शिला, मंडला

नारायणगंज विकासखंड के ग्राम खिन्हा रिपटा स्थित चौबे कृषि सेवा केंद्र में कृषि विभाग की कार्रवाई को लेकर विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सहायक संचालक अरविंद वर्मा के नेतृत्व में पहुंचे जांच दल पर निरीक्षण के दौरान 10 हजार रुपये की कथित वसूली करने का गंभीर आरोप लगा है।

10 हजार रुपये लेने का लगा आरोप !

निरीक्षण टीप में दर्ज हुईं कमियां

मिली जानकारी के अनुसार, विभागीय टीम ने कृषि सेवा केंद्र के निरीक्षण के दौरान दस्तावेजों और स्टॉक में कई गंभीर कमियां पाई थीं। इन अनियमितताओं को विभागीय टीप (डायरी) में दर्ज भी किया गया, जिसकी एक प्रति दुकान संचालक को दी गई। निरीक्षण के दौरान टीम ने कड़ा रुख अपनाते हुए दुकान को तत्काल सीज करने और लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी दी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि निरीक्षण टीप में गंभीर कमियां दर्ज होने के बाद भी दुकान को न तो सीज किया गया और न ही कोई दंडात्मक कार्रवाई की गई। टीम बिना किसी ठोस कदम के वापस लौट गई, जिससे विभाग की मंशा पर सीधे सवाल उठ रहे हैं।

10 हजार की लेन-देन और सीज न करने का खेल?

दुकान संचालक का सीधा आरोप है कि दुकान सीज करने की धमकी देकर उससे 10 हजार रुपये लिए गए, जिसके बाद विभागीय दल बिना कोई कार्रवाई किए चला गया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर गड़बड़ी गंभीर थी तो 10 हजार के लेनदेन के दावे के बाद कार्रवाई ठंडे बस्ते में क्यों डाल दी गई? दूसरा सवाल अगर गड़बड़ी मामूली थी तो दुकान संचालक को सीज करने की धमकी देकर दबाव क्यों बनाया गया?

निरीक्षण के नाम पर अवैध वसूली के आरोप

यह मामला केवल एक दुकान तक सीमित नहीं है। जिले के अन्य खाद-बीज व्यापारियों ने भी आरोप लगाया है कि सहायक संचालक अरविंद वर्मा द्वारा निरीक्षण के नाम पर लगातार व्यापारियों को परेशान किया जाता है और कथित रूप से अवैध वसूली की जाती है। लिखित निरीक्षण टीप अब इस पूरे मामले में सबसे अहम दस्तावेजी सबूत बन गई है, जो जांच में विभागीय कारनामों की पोल खोल सकती है।

निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगा सच

मामले की गंभीरता को देखते हुए कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। व्यापारियों का कहना है कि निरीक्षण टीप में दर्ज अनियमितताओं का सार्वजनिक खुलासा किया जाए। अगर कार्रवाई प्रस्तावित थी, तो किस आधार पर फाइल दबाई गई? 10 हजार रुपये के कथित लेनदेन और अन्य शिकायतों की डिजिटल/वित्तीय पड़ताल की जाए। हिंद शिला का सीधा सवाल,जब लिखित रिकॉर्ड में अनियमितताएं दर्ज हैं, तो विभाग की कलम कार्रवाई करते-करते अचानक क्यों रुक गई? क्या निरीक्षण का उद्देश्य व्यवस्था सुधारना था या फिर सिर्फ सौदेबाजी करना? वरिष्ठ अधिकारियों की खामोशी इस मामले में कई और सवाल खड़े कर रही है।

कृषि विभाग की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल

निरीक्षण में अनियमितता के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं?

हिन्द शिला, मंडला

नारायणगंज विकासखंड के ग्राम खिन्हा रिपटा स्थित चौबे कृषि सेवा केंद्र में कृषि विभाग की कार्रवाई को लेकर विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सहायक संचालक अरविंद वर्मा के नेतृत्व में पहुंचे जांच दल पर निरीक्षण के दौरान 10 हजार रुपये की कथित वसूली करने का गंभीर आरोप लगा है।

निरीक्षण टीप में दर्ज हुईं कमियां

मिली जानकारी के अनुसार, विभागीय टीम ने कृषि सेवा केंद्र के निरीक्षण के दौरान दस्तावेजों और स्टॉक में कई गंभीर कमियां पाई थीं। इन अनियमितताओं को विभागीय टीप (डायरी) में दर्ज भी किया गया, जिसकी एक प्रति दुकान संचालक को दी गई। निरीक्षण के दौरान टीम ने कड़ा रुख अपनाते हुए दुकान को तत्काल सीज करने और लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी दी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि निरीक्षण टीप में गंभीर कमियां दर्ज होने के बाद भी दुकान को न तो सीज किया गया और न ही कोई दंडात्मक कार्रवाई की गई। टीम बिना किसी ठोस कदम के वापस लौट गई, जिससे विभाग की मंशा पर सीधे सवाल उठ रहे हैं।

10 हजार की लेन-देन और सीज न करने का खेल?

दुकान संचालक का सीधा आरोप है कि दुकान सीज करने की धमकी देकर उससे 10 हजार रुपये लिए गए, जिसके बाद विभागीय दल बिना कोई कार्रवाई किए चला गया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर गड़बड़ी गंभीर थी तो 10 हजार के लेनदेन के दावे के बाद कार्रवाई ठंडे बस्ते में क्यों डाल दी गई? दूसरा सवाल अगर गड़बड़ी मामूली थी तो दुकान संचालक को सीज करने की धमकी देकर दबाव क्यों बनाया गया?

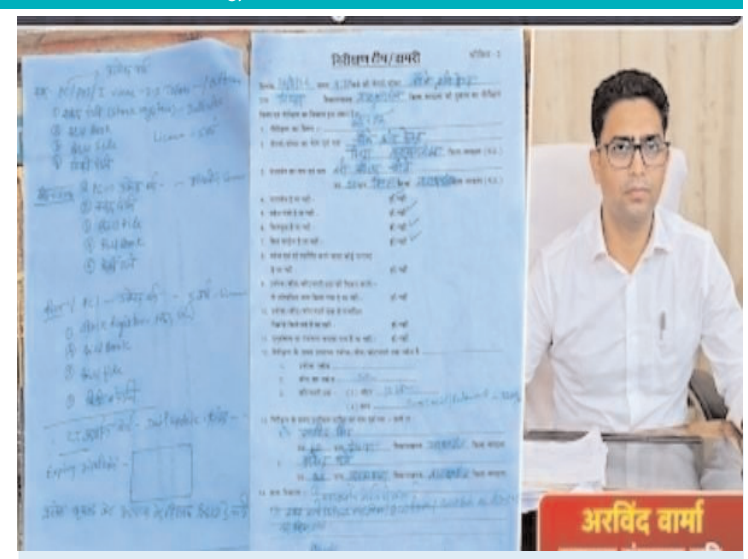

निरीक्षण के नाम पर अवैध वसूली के आरोप

यह मामला केवल एक दुकान तक सीमित नहीं है। जिले के अन्य खाद-बीज व्यापारियों ने भी आरोप लगाया है कि सहायक संचालक अरविंद वर्मा द्वारा निरीक्षण के नाम पर लगातार व्यापारियों को परेशान किया जाता है और कथित रूप से अवैध वसूली की जाती है। लिखित निरीक्षण टीप अब इस पूरे मामले में सबसे अहम दस्तावेजी सबूत बन गई है, जो जांच में विभागीय कारनामों की पोल खोल सकती है।

निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगा सच

मामले की गंभीरता को देखते हुए कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। व्यापारियों का कहना है कि निरीक्षण टीप में दर्ज अनियमितताओं का सार्वजनिक खुलासा किया जाए। अगर कार्रवाई प्रस्तावित थी, तो किस आधार पर फाइल दबाई गई? 10 हजार रुपये के कथित लेनदेन और अन्य शिकायतों की डिजिटल/वित्तीय पड़ताल की जाए। हिंद शिला का सीधा सवाल,जब लिखित रिकॉर्ड में अनियमितताएं दर्ज हैं, तो विभाग की कलम कार्रवाई करते-करते अचानक क्यों रुक गई? क्या निरीक्षण का उद्देश्य व्यवस्था सुधारना था या फिर सिर्फ सौदेबाजी करना? वरिष्ठ अधिकारियों की खामोशी इस मामले में कई और सवाल खड़े कर रही है।

वैध शराब के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई, 400 किलो लाहन और 52 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त

बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब के विनिर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। 13 सितंबर को आबकारी वृत्त लामता, पुलिस थाना लामता की टीम ने कोचेवाडा, पांडेटोला और कुमारटोला ग्राम में कार्रवाई करते हुए अलग-अलग घरों एवं अड्डों से प्लास्टिक के ड्रमों एवं बोरियों में भरा लगभग 400 किलो लाहन तथा 52 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 04 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए। कार्रवाई के दौरान जब्त लाहन के नमूने लिए गए तथा शेष लाहन को मौके पर ही नष्ट किया गया। जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 47800 रुपये बताया गया है। संयुक्त कार्रवाई में आबकारी वृत्त प्रभारी संदीप श्रीवास, ज्योति सोनी, हिमांशी रहांगडाले तथा रामपायली थाने से उपनिरीक्षक कलशराम उइके सहित अन्य अधीनस्थ स्टाफ उपस्थित रहा। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध शराब के विनिर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

शनल लोक अदालत का सफल आयोजन, 1434 प्रकरणों का हुआ निराकरण

हिन्द शिला, बालाघाट

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्री प्राणेश कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार, 12 सितंबर 2026 को जिले में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। लोक अदालत में कुल 1545 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 1434 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 4 करोड़ 79 लाख 5 हजार 609 रुपये की अवार्ड राशि निर्धारित की गई।नेशनल लोक अदालत के आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा समस्त विभागों के अधिकारियों एवं न्यायाधीशगण की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा समय-समय पर प्रोत्साहित एवं निरंतर समीक्षा की गई।नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण के कर-कमलों से विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) श्री रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री डी.एन. सिंह, प्रथम जिला न्यायाधीश के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सतीश शर्मा सहित न्यायिक मजिस्ट्रेटगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण एवं न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्री सतीश शर्मा द्वारा जिला न्यायालय बालाघाट में आयोजित लोक अदालत का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। जिला न्यायालय परिसर में जिला आयुष विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया, जिसमें पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा 200 से अधिक व्यक्तियों को दवाइयों का वितरण किया गया।लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा श्रवण बाधित बालकों को कान की मशीन का वितरण किया गया।

1.98 करोड़ की लागत, फिर भी राहगीर लाचार, भूतबंगला से साठई सड़क का निर्माण 10 माह से ठप

हिन्द शिला, सिवनी

जिले के पलारी-कहानी मुख्य मार्ग पर स्थित भूतबंगला से साठई तक बनने वाली लगभग 3 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग केवलारी और संबंधित ठेकेदार की घोर उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। पिछले 10 महीनों से इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य पूरी तरह से रुका पड़ा है। ठेकेदार की लापरवाही का आलम यह है कि सड़क पर आधा-अध अधूरा अर्थ वर्क (मिट्टी-मुरम का काम) करके काम बंद कर दिया गया। नतीजतन, पूरी सड़क पर जगह-जगह गहरे और जानलेवा गड्ढे हो गए हैं। हल्की सी बारिश या जलजमाव के बाद यह मार्ग कीचड़ और दलदल का रूप ले लेता है, जिससे रोजाना आवागमन करने वाले हजारों ग्रामीणों की सांसें अटकी रहती हैं।

1 करोड़ 98 लाख का बजट, फिर भी काम अधूरा

स्थानीय समाज सेवी भवन ठाकुर से मिली जानकारी के अनुसार, पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा इस 3 किलोमीटर सड़क के निर्माण के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपये का भारी-भरकम बजट स्वीकृत किया गया है। बजट स्वीकृत होने और काम शुरू होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की उम्मीद जगी थी, लेकिन ठेकेदार द्वारा शुरुआती स्तर पर ही काम छोड़कर चले जाने से जनता के करोड़ों रुपये के बजट का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

गड्ढों में तब्दील हुआ मुख्य मार्ग

स्कूली बच्चों और मरीजों पर भारी पड़ रही राह

यह मार्ग क्षेत्र का एक प्रमुख और व्यस्त मुख्य मार्ग है, जिससे आसपास के कई गांवों का संपर्क जुड़ा हुआ है। प्रतिदिन सैकड़ों स्कूली बच्चे इसी खस्ताहाल सड़क से होकर स्कूल-कॉलेज जाने को मजबूर हैं। गड्ढों और कीचड़ के कारण आए दिन बच्चे फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे उनके कप? खराब होते हैं और चोट लगने का खतरा बना रहता है। आपातकालीन स्थिति में मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाना किसी चुनौती से कम नहीं है। एम्बुलेंस और अन्य वाहन इस सड़क पर हिचकोले खाते हुए रेंगने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों में रोष, उग्र आंदोलन की चेतावनी

सड़क की दुर्दशा और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वे कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन आश्वासन के सिवा कुछ हासिल नहीं हुआ। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द ठेकेदार पर कार्रवाई करते हुए सड़क का अधूरा निर्माण कार्य पुनः शुरू नहीं कराया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने और चक्काजाम करने के लिए मजबूर होंगे।

लाचार

मंडला में मिड डे मील व्यवस्था पर संकट

महीनों से भुगतान अटका, हजारों बच्चों के भोजन पर मंडराया खतरा

उधारी और कर्ज के सहारे चल रही पीएम पोषण योजना, रसोईयों ने दी चूल्हा बंद आंदोलन की चेतावनी ।

हिन्द शिला, मंडला

आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मिड डे मील) योजना गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है। शिक्षा सत्र 2026-27 शुरू हुए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन योजना का संचालन कर रहे स्व-सहायता समूहों और रसोईयों को अब तक भुगतान नहीं मिला है। इससे हजारों स्कूली बच्चों के भोजन की व्यवस्था प्रभावित होने लगी है और समूहों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, जिला पंचायत, कलेक्टर और मुख्यमंत्री तक कई बार ज्ञापन और आवेदन भेजे जा चुके हैं, लेकिन भुगतान को लेकर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। हालत यह है कि समूहों को सब्जी, तेल, मसाले और ईंधन उधारी पर खरीदकर भोजन बनाना पड़ रहा है। कई दुकानदारों ने बकाया बढ़ने के कारण उधार देना भी बंद कर दिया है, जिससे समूहों को कर्ज लेकर योजना संचालित करनी पड़ रही है।

आंदोलन की राह पर समूह और रसोईया संघ

रसोईया उत्थान संघ समिति मंडला के संयोजक पी.डी. खैरवार ने कहा कि बार-बार आवेदन और निवेदन के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। यदि जल्द भुगतान जारी नहीं किया गया तो जिले भर के समूह और रसोईया अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं चूल्हा बंद आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

रसोईयों के सामने रोजी-रोटी का संकट

स्कूलों में भोजन बनाने वाली रसोईयों का कहना है कि उन्हें पिछले ढाई महीने से मानदेय नहीं मिला है। मात्र 4 हजार रुपये मासिक मानदेय पर काम करने वाली महिलाएं आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं। कई रसोईयों का आरोप है कि जून माह का मानदेय भी वर्षों से लंबित है। बच्चों के भोजन की गुणवत्ता पर भी उठे सवाल भुगतान नहीं मिलने से समूहों के लिए शासन द्वारा निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल होता जा रहा है। संचालकों का कहना है कि यदि समय पर राशि नहीं मिली तो भोजन की गुणवत्ता प्रभावित होना तय है, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन को लेनी चाहिए।

बैगा बाहुल्य ग्रामों में पहुंचा प्रशासन, विशेष कैंप में ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी के साथ स्वास्थ्य सेवाएं भी मिलीं

हिन्दशिला, सिवनी।

बैगा बाहुल्य ग्रामों के ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विभागीय सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद पंचायत केवलारी अंतर्गत ग्राम झोला, पिपरदौन एवं मोहगांव में विशेष कैंप आयोजित किए गए। कैंप में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह सहित जिला एवं ब्लॉक स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। विशेष कैंप के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। ग्रामीणों को आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से खाद्यान्न, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। कैंप का उद्देश्य ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित न रखते हुए उन्हें विभागीय सेवाओं से जोड़ना भी रहा। अधिकारियों द्वारा पात्र हितग्राहियों से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेजों की स्थिति की जानकारी ली गई तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसी दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श देने के साथ ही उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को जाना तथा संबंधित अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने और प्राप्त समस्याओं पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

(स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजीत सिंह बघेल** द्वारा अद्वैत प्रकाश चव्हाण, 702 ग्रीन सिटी 03, वर्धा रोड अर्पिट 02, ऑक्सीजन पार्क नागपुर, महाराष्ट्र 441108 से प्रकाशित 8878839301. **संपादक संजीत सिंह बघेल**।) समाचार पत्र से संबंधित सभी विवादों के निपटारा के लिए न्यायिक क्षेत्र सिवनी **जिला सिवनी** न्यायालय रहेगा।